DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

13 January, 2024

भारत-अमेरिका व्यापार नीति बैठक

संदर्भ: *विगत 12 जनवरी, 2024 को भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच व्यापार नीति फोरम (TPF) की 14वीं मंत्री-स्तरीय बैठक नई दिल्ली में संपन्न हुई।*

TPF का महत्व:

- इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार संबंधों और समग्र आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में व्यापार नीति फोरम (TPF) के महत्व पर जोर दिया गया।
- वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बावजूद वर्ष 2023 में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार में 200 बिलियन डॉलर से अधिक की निरंतर वृद्धि देखी गई।
- इस बैठक में बढ़े हुए और विविध द्विपक्षीय व्यापार को और आगे भी बढ़ाने की पारस्परिक इच्छा व्यक्त की गई।

13वें TPF से तुलना:

- जनवरी 2023 में संपन्न 13वें TPF के बाद से द्विपक्षीय व्यापार को प्रभावित करने वाले सभी कारकों के आधार पर संबंधित प्रगति की समीक्षा की गई।
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) में लंबे समय से चले आ रहे व्यापार विवादों के समाधान और वैश्विक बाजार तक आसान पहुंच संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई।
- प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा और वर्ष 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति बिडेन की भारत यात्रा के दौरान प्राप्त उपलब्धियों को मान्यता दी गई।

सहयोग के क्षेत्र:

- इस बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों, सीमा शुल्क, व्यापार सुविधा, आपूर्ति श्रृंखला और उच्च तकनीक उत्पादों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बढ़ी हुई भागीदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई।
- साथ ही द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप विकसित करने और भविष्य के संयुक्त पहल के लिए एक आधार स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

G20 और वैश्विक व्यापार मुद्दे:

- इस बैठक में अमेरिका ने जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत को बधाई दी और जी20 व्यापार एवं निवेश कार्य समूह में भारत के सकारात्मक परिणामों का स्वागत किया।
- इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों द्वारा व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण पर उच्च-स्तरीय सिद्धांतों के कार्यान्वयन का समर्थन करने पर सहमति व्यक्त की गई।
- वैश्विक व्यापार मुद्दों पर रचनात्मक बातचीत और सहयोग के लिए इस बैठक में जी20 को एक उपयोगी मंच के रूप में महत्व दिया गया।

द्विपक्षीय व्यापार संबंधी समस्याएँ:

- विभिन्न व्यापार मुद्दों पर TPF कार्य समूहों की अपेक्षित प्रगति नही हो पाना।
- अनुपालन लागत को कम करने के लिए, अनुरूपता मूल्यांकन परिणामों को पारस्परिक मान्यता देने में उत्पन्न बाधाएं।
- समुद्री कछुओं की आबादी पर जलवायविक प्रभाव को कम करने के लिए टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस (TED) डिजाइन का समय पर तैयार नहीं हो पाना।

बौद्धिक संपदा:

- TPF में IP वर्किंग ग्रुप में बौद्धिक संपदा (IP) पर चल रही भागीदारी की सराहना की गई।
- पेटेंट प्रणालियों के आधुनिकीकरण, भौगोलिक संकेतों और व्यापार रहस्यों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई।
- इस संदर्भ में बौद्धिक सम्पदा मामलों पर निरंतर चर्चा के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं।

कृषि:

- बैठक के दौरान कुछ कृषि उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को शीघ्र अंतिम रूप देने के लिए लंबित कार्य को स्वीकार किया गया।
- वर्ष 2024 में खाद्य और कृषि व्यापार मुद्दों पर बातचीत बढ़ाने में भी रुचि व्यक्त की।

सेवाएँ:

- बैठक में सेवा कार्य समूह की रचनात्मक भागीदारी को स्वीकार किया।
- TPF में डिजिटल व्यापार, सामाजिक सुरक्षा समझौते और भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम (DPDPA) पर चर्चा की गई।
- आर्थिक विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए TPF में डिजिटल व्यापार की क्षमता पर भी जोर दिया गया।

सुगम व्यापार:

- इस टीपीएफ में सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर निरंतर जुड़ाव का स्वागत किया।
- दोनों देश ऑनलाइन पहुंच और सार्वजनिक परामर्श सहित पारदर्शी नियामक प्रथाओं और नीतियों के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- बैठक में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बलात श्रम को समाप्त करने पर ज़ोर दिया गया।

भविष्य का रास्ता:

- टीपीएफ कार्य समूहों को त्रैमासिक पुन: बैठक करने का निर्देश दिया गया।
- वरिष्ठ अधिकारियों को 2024 के मध्य तक व्यक्तिगत अंतर-सत्रीय टीपीएफ बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया।
- 2024 के अंत से पहले मंत्री स्तर पर टीपीएफ को फिर से बुलाने की योजना बनाई गई।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (PM-AJAY)

संदर्भ*: इस योजना का उल्लेख समाचारों में लगार किया जा रहा है।*

योजना एकीकरण:

- PM-AJAY एक समेकित योजना है, जिसे 2021-22 से लागू किया गया है। इसमें तीन केंद्र प्रायोजित योजनाओं का विलय किया गया है:
- प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना (PMAGY),
- अनुसूचित जाति उप योजना के लिए विशेष केंद्रीय सहायता (SCA से SCSP), और
- बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (BJRCY)

उद्देश्य:

- इस योजना का उद्देश्य कौशल विकास, आय-सृजक योजनाओं और बुनियादी ढांचे की पहल के माध्यम से अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित करके अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों में गरीबी को समाप्त करना है।
- इस योजना के माध्यम से सरकार अनुसूचित जाति बहुल गांवों में सामाजिक-आर्थिक विकास संकेतकों में सुधार करना चाहती है।

योजना के घटक:

- अनुसूचित जाति बहुल गांवों का "आदर्श ग्राम" के रूप में विकास करना।
- अनुसूचित जाति की सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए जिला/राज्य-स्तरीय परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता प्रदान करना।
- केंद्र/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा वित्त पोषित उच्च शिक्षण संस्थानों और स्कूलों में छात्रावासों का निर्माण करना।

आदर्श ग्राम घटक (तत्कालीन PMAGY):

- अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों के एकीकृत विकास पर ध्यान देना।
- आदर्श ग्राम योजना के उद्देश्यों में पर्याप्त बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना और सामाजिक-आर्थिक संकेतकों में सुधार करना भी शामिल है।
- इसमें निगरानी योग्य संकेतक पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका विकास जैसे दस डोमेन को शामिल किया गया है।
- उपलब्धि (2023-24): 1834 गांवों को अब तक आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | **LAXMI NAGAR :** 9205212500, 9205962002 | **RAJENDRA NAGAR:** 9205274743 | **UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ:** 0532-2260189, 8853467068 | **LUCKNOW** (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | **LUCKNOW** (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | **GREATER NOIDA:** 9205336037, 38 | **KANPUR:** 7887003962, 7897003962 | **GORAKHPUR** : 7080847474, 9161947474 | **ODISHA BHUBANESWAR:** 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

जिला/राज्य-स्तरीय परियोजनाओं के लिए सहायता अनुदान (तत्कालीन SCA से SCAP):

- यह अनुसूचित जाति के लिए व्यापक आजीविका परियोजनाओं, कौशल विकास, संपत्ति निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करता है।
- इसके विशेष प्रावधान अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए व्यवहार्य आय-सृजन योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए धन आवंटित करते हैं।
- **उपलब्धि (2023-24):** 17 राज्यों के लिए भावी योजनाओं को मंजूरी दे दी गई है।

छात्रावास घटक (तत्कालीन BJRCY):

- इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके अनुसूचित जाति के छात्रों के बीच ड्रॉपआउट दर को कम करना है।
- इसे राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेश प्रशासनों और केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है।
- छात्रावास निर्माण के लिए केंद्रीय सहायता, क्षेत्रों के आधार पर अलग-अलग होती है।

हालिया बदलाव (2021-22 से):

- लड़कों के छात्रावासों के लिए 100% केंद्रीय सहायता (पहले राज्यों के साथ लागत-साझाकरण) प्रदान किया जा रहा है।
- ऑनलाइन प्रस्ताव प्रस्तुतीकरण के साथ PMAJAY पोर्टल के माध्यम से इसे कार्यान्वित किया जा रहा है।
- उपलब्धि (2023-24): अब तक 15 नये छात्रावासों की मंजूरी दी जा चुकी है।

तथ्यात्मक डेटा:

- आदर्श ग्राम घटक के तहत, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 1834 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया गया है।
- इस योजना के छात्रावास घटक के तहत कुल 15 नये छात्रावास स्वीकृत किये गये हैं।
- चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सहायता अनुदान घटक के तहत 17 राज्यों के लिए परिप्रेक्ष्य योजनाओं को मंजूरी दी गई है।

हम्बोल्ट एनिग्मा

सदियों से जैव विविधता का अन्वेषण:

- ऐतिहासिक रूप से, खोजकर्ताओं और प्रकृतिविदों ने विभिन्न क्षेत्रों में जैव विविधता की सांद्रता और इसकी विविधताओं को समझने की कोशिश की है।
- अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट (1769-1859) ने अपने अन्वेषणों के दौरान भूगोल, भूविज्ञान, मौसम विज्ञान और जीव विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पहाड़ों पर हम्बोल्ट के अवलोकन:

- हम्बोल्ट ने दक्षिण अमेरिका में अपने अन्वेषण के दौरान एक पहाड़ पर पौधों के वितरण को दर्ज किया।
- उन्होंने तापमान, ऊंचाई, आर्द्रता और प्रजातियों की घटना के बीच एक संबंध की पहचान की, जिसका उदाहरण इक्वाडोर में चिंबोराज़ो पर्वत है।

हम्बोल्ट एनिग्मा और आधुनिक परिप्रेक्ष्य:

- आधुनिक जीवविज्ञानी हम्बोल्ट की टिप्पणियों पर विचार करने के पश्चात पर्वतीय क्षेत्रों की जैव विविधता के संबंध में "हम्बोल्ट एनिग्मा" का प्रस्ताव देते हैं।
- यह एनिग्मा पहाड़, विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के बाहर, अपेक्षाओं के विपरीत उच्च जैव विविधता क्यों प्रदर्शित करते हैंम, इस बात का अध्ययन करता है।

उष्णकटिबंधीय क्षेत्र और प्राथमिक उत्पादकता:

- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों को अधिक सौर ऊर्जा प्राप्त होती है, जिससे प्राथमिक उत्पादकता और जैव विविधता में वृद्धि होती है।
- हम्बोल्ट एनिग्मा इस धारणा को चुनौती देती है, कि केवल उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अत्यधिक जैव विविधता वाले क्षेत्र होते हैं, जबकि अपवाद के रूप में पहाड़ों पर अन्वेषण किया गया है।

पर्वतीय जैव विविधता के चालक:

- भूवैज्ञानिक प्रक्रियाएं, जैसे उत्थान, प्रजातियों के लिए नए आवास का निर्माण करती हैं।
- जलवायु विज्ञान की दृष्टि से स्थिर पर्वत "संग्रहालय" के रूप में कार्य करते हैं, जो समय के साथ प्रजातियों को एकत्रित करते हैं।
- पश्चिमी घाट में शोला स्काई द्वीप समूह जैसे तटीय उष्णकटिबंधीय द्वीप, जैव विविधता की पुरानी वंशावली की दृढ़ता को दर्शाते हैं।

भूवैज्ञानिक विविधता और जैव विविधता:

- उच्च भूवैज्ञानिक विविधता वाले पर्वत अधिक जैव विविधता प्रदर्शित करते हैं।
- भूवैज्ञानिक संरचना, मिट्टी के प्रकार से प्रभावित अद्वितीय आवास की विविधीकरण को बढ़ावा देते हैं।

एक केस स्टडी के रूप में पूर्वी हिमालय:

- पूर्वी हिमालय जलवायु असमानता और भूवैज्ञानिक विविधता से प्रेरित उच्च जैव विविधता को प्रदर्शित करता है।
- पक्षियों के फैलाव सहित विकासवादी इतिहास, इस पर्वतीय क्षेत्र में विविधता बढ़ाने में योगदान देता है।

विविधीकरण को प्रेरित करने वाले कारक:

- जलवायु असमानता, भूवैज्ञानिक विविधता और विकासवादी इतिहास सहित कई कारक विविधीकरण में योगदान करते हैं।
- प्रजातियों के वितरण पर सटीक डेटा, विशेष रूप से पूर्वी घाट जैसे कम अध्ययन वाले क्षेत्रों में, व्यापक समझ के लिए महत्वपूर्ण हैं।

आगे के शोध की आवश्यकता:

- प्रजातियों से संबंधित डेटा की कमी जैव विविधता पैटर्न को समझाने में एक सीमा का कार्य करती है।
- भारत में चल रहे विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रम, जैसे कि हिमालयी अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन और जैव विविधता सहित मानव कल्याण पर राष्ट्रीय मिशन आदि; का उद्देश्य अनुसंधान अंतराल को संबोधित करना है।

सुदृढ़ अनुसंधान प्रयासों का आह्वान:

- वास्तविक जैव विविधता को समझने के लिए अधिक शोध की आवश्यकता पर जोर दिया गया, विशेषकर आनुवंशिकी जैसे आधुनिक उपकरणों के उपयोग से संबंधित।
- राष्ट्रीय कार्यक्रमों को मजबूत करने और विविधता पर बुनियादी अनुसंधान का समर्थन करने के आह्वान के साथ वैज्ञानिक समझ में अंतराल की पहचान किया जाना चाहिए।

वैश्विक पहेली के रूप में पर्वतीय जैव विविधता:

- हम्बोल्ट एनिग्मा को पर्वतीय जैव विविधता को समझने के एक साधन के रूप में देखा जाता है।
- इसमें यह भी स्वीकार किया जाता है, कि जैव विविधता का अध्ययन जलवायु परिवर्तन से संबंधित वैश्विक चुनौतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

13 January, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

कालाराम मंदिर

कालाराम मंदिर के बारे में

- कालाराम मंदिर का नाम भगवान राम की एक काली मूर्ति से लिया गया है - "कालाराम" का शाब्दिक अर्थ "काला राम" ("Black Ram") है।
- यह मंदिर महाराष्ट्र के पंचवटी क्षेत्र में गोदावरी नदी के तट पर स्थित है।
- पंचवटी नाम क्षेत्र में पाए जाने वाले पांच बरगद के पेड़ों से आया है।
- रामायण महाकाव्य के अनुसार, भगवान राम, सीता और लक्ष्मण ने यहाँ एक झोपड़ी स्थापित की थी क्योंकि पांच बरगद के पेड़ों की उपस्थिति ने इस स्थान को शुभ बना दिया था और उन्होंने 14 साल के वनवास के पहले कुछ वर्ष दंडकारण्य में बिताए थे।
- इस मंदिर में लगभग 90 वर्ष पहले अछूतों के लिए मंदिर में प्रवेश के अधिकार की मांग करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नेतृत्व में हुए एक ऐतिहासिक आंदोलन हुआ था।
- 1930 में, डॉ. आंबेडकर और मराठी शिक्षक व सामाजिक कार्यकर्ता पांडुरंग सदाशिव सने, जिन्हें साने गुरुजी के नाम से जाना जाता है, ने दलितों को हिंदू मंदिरों में प्रवेश की अनुमति देने के लिए एक आंदोलन का नेतृत्व किया था।
- 2 मार्च, 1930 को, आंबेडकर ने कालाराम मंदिर के बाहर एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था।
- मंदिर का निर्माण 1792 में सरदार रंगराव ओढ़ेकर के प्रयासों से हुआ था।

आकाश मिसाइल

हाल ही में, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा के तट से दूर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से नई पीढ़ी की आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल (SAM) का सफल परीक्षण किया।

आकाश मिसाइल के बारे में:

- आकाश मिसाइल एक लघु से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।
- यह मिसाइल प्रणाली भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के साथ कार्यरत है।
- यह 45 किमी (28 मील) दूर तक के विमानों को निशाना बना सकती है।
- यह लड़ाकू जेट, क्रूज मिसाइल, हवा-से-सतह मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकती है।
- आकाश मिसाइल प्रणाली में एक लांचर, मिसाइलों का एक सेट, एक नियंत्रण केंद्र, एक अंतर्निहित मिशन मार्गदर्शन प्रणाली, C4I (कमांड, नियंत्रण संचार और खुफिया) केंद्र, ग्राउंड उपकरण और रडार शामिल हैं, जिसमें से प्रत्येक मिसाइल बैटरी के साथ राजेंद्र नाम का रडार है।
- फ्लाइट-टेस्ट बहुत कम ऊंचाई पर एक तेज गति वाले मानव रहित हवाई लक्ष्य के खिलाफ आयोजित किया गया था।

वेम्बनाद झील

हाल ही में, कुट्टनाड स्थित इंटरनेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर फॉर बिलो सी लेवल फार्मिंग (आईआरटीसीबीएसएफ) के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि डी-सिल्टिंग से वेम्बनाड झील में ब्लू कार्बन से संतुलन बिगड़ जाएगा।

वेम्बनाद झील के बारे में:

- वेम्बनाद झील भारत की सबसे लंबी और केरल की सबसे बड़ी झील है।
- यह एक संकीर्ण अवरोध द्वीप द्वारा अरब सागर से अलग होती है
- इसे वेम्बनाद कयाल, वेम्बनाद कोल, पुन्नमदा झील (कुट्टनाड में) और कोच्चि झील (कोच्चि में) के नाम से भी जाना जाता है।
- पंबा, अचंकोविल, मणिमाला, मीनाचिल और मुवत्तुपुझा नदियाँ झील से प्रवाहित होती हैं।
- यह झील अंतरराष्ट्रीय महत्व की एक आर्द्रभूमि है, जिसे 2002 में रामसर कन्वेंशन द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- कुमारकोम पक्षी अभयारण्य भी झील के पूर्वी तट पर स्थित है।
- भारत के सबसे बड़े मिट्टी नियामक के रूप में कार्य करते हुए, झील दो खंडों में विभाजित हो जाती है, जिसमें एक में नदियों से मीठा पानी होता है और दूसरे में बारहमासी खारा पानी होता है।

हिमालयन वुल्फ

हाल ही में, हिमालयन वुल्फ का पहली बार IUCN रेड लिस्ट में मूल्यांकन किया गया।

हिमालयन वुल्फ (भेड़िया) के बारे में:

- हिमालयन वुल्फ (कैनिस ल्यूपस चैनको), जिसे तिब्बती भेड़िया के नाम से भी जाना जाता है, हिमालय में पाया जाने वाला एक प्रमुख ल्यूपिन शिकारी है।
- यह यूरोप और उत्तरी अमेरिका में पाए जाने वाले भूरे भेड़ियों से आनुवंशिक रूप से भिन्न है।
- यह नेपाल, तिब्बत, लद्दाख, स्पीति घाटी, उत्तराखंड और सिक्किम के सबसे ऊंचे पहाड़ों में रहता है।
- यह याक, डेज़ो गाय, बकरी और भेड़ जैसे घरेलू शिकार पर बहुत अधिक निर्भर है।
- इसे 2,275-3,792 अनुमानित संख्या के आधार पर इसे C2a(ii) के तहत 'संवेदनशील' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

केप वर्ड

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने काबो वर्डे (जिसे केप वर्डे भी कहा जाता है) को मलेरिया मुक्त देश के रूप में प्रमाणित किया है, जो वैश्विक स्वास्थ्य संगठन के अफ्रीकी क्षेत्र में यह दर्जा हासिल करने वाला तीसरा देश बन गया है।

केप वर्डे (राजधानी: प्राइया)

अवस्थिति: काबो वर्डे गणराज्य, जिसे केप वर्डे के नाम से भी जाना जाता है, पश्चिम अफ्रीका में एक द्वीप देश है, जो मध्य अटलांटिक महासागर में स्थित है।

भौतिक विशेषताऐं:

- सैंटियागो, केप वर्डे का एक दक्षिणी द्वीप समूह है जो सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला द्वीप है।
- पिको डो फोगो, सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी है जिसमें एक प्रभावशाली काल्डेरा और आंतरिक शंकु मे 2014 में विस्फोट हुआ था।
- यह द्वीप आग्नेय चट्टानों, ज्वालामुखीय संरचनाओं और पायरोक्लास्टिक मलबे से बना है।

आधिकारिक भाषा: पुर्तगाली केप वर्डे की आधिकारिक भाषा है।

स्वतंत्रता: केप वर्डे को 5 जुलाई, 1975 को पुर्तगाल से स्वतंत्रता मिली।

POINTS TO PONDER

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 के अनुसार किसी अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराए गए किसी व्यक्ति के दंड को क्षमा, उसका प्रविलंबन, विराम या परिहार करने की अथवा दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण करने की शक्ति किसके पास है? **- भारत के राष्ट्रपति**
- अनुच्छेद 161 के तहत किसकी शक्तियाँ अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति को दी गई शक्तियों के समान हैं, लेकिन राज्य की कार्यकारी शक्तियों तक सीमित हैं? **- राज्यपाल**
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) कब शुरू किया गया था? **- 2019**
- LANDSLIP परियोजना के तहत प्रोटोटाइप क्षेत्रीय भूस्खलन प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (LEWS) विकसित करने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के साथ किसने सहयोग किया? **- ब्रिटिश भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (बीजीएस)**
- स्वामी विवेकानन्द ने धार्मिक दर्शन की किस प्राचीन प्रणाली को लोकप्रिय बनाया? **- वेदान्त**